Date: -09/05/2026

To, The Secretary, Listing Department National Stock Exchange of India Ltd. Exchange plaza, BKC, Bandra (E) Mumbai-MH 400051.	To, The Secretary, Corporate Relationship Department BSE Limited P. J. Towers, Dalal Street Mumbai- MH 400001.

REF :-(ISIN- INE908D01010) SCRIP CODE BSE-531431, NSE Symbol -SHAKTIPUMP

Sub:- Newspaper Publications of Audited Financial Results for the quarter and financial year ended March 31, 2026.

Dear Sir/Madam,

Pursuant to Regulation 47 of SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, please find enclosed herewith newspaper publication for Audited Financial Results for the quarter and financial year ended March 31, 2026 published on today in the Business Standard in Hindi and The Economic Times in English edition.

Kindly take on record the above information for your reference.

Thanking you,

Yours faithfully
For Shakti Pumps (India) Limited

Ravi
Patidar

Digitally signed by Ravi Patidar
DN: c=IN, o=Personal, title=8835,
pseudonym=f5548df080504b6fab66af
76e6ae9d7a,
2.5.4.20=098e95d8507c2ee0b78e4884
145eebb246409d3498f443b082c47a92
a26382c6, postalCode=453331,
st=Madhya Pradesh,
serialNumber=31dde50601e6024b273
2ca5972ed69c26147945af389098003a
c14a4c85644de, cn=Ravi Patidar
Date: 2026.05.09 12:54:40 +05'30'

Ravi Patidar
Company Secretary

प. एशिया में तनातनी से लुढ़के बाजार

बीएस संवाददाता
मुंबई, 8 मई

बाजारों में गिरावट

- सेंसेक्स 516 अंक की गिरावट के साथ 77,328 पर बंद हुआ जबकि निफ्टी 151 अंक की नरमी के साथ 24,176 पर टिका
- बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण 1.5 लाख करोड़ रुपये घटकर 473.5 लाख करोड़ रुपये रह गया
- एसबीआई में 6.6 फीसदी की गिरावट आई और इसने सेंसेक्स पर सबसे ज्यादा दबाव बनाया। एचडीएफसी इंडेक्स में सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला शेयर साबित हुआ

शेयर बाजार में शुक्रवार को गिरावट देखने को मिली। इसकी वजह ईरान और अमेरिका के बीच फिर शुरू हुई तनातनी रही जिसने इस लड़ाई के जल्द सुलझने की संभावनाओं को धुंधला दिया। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारी बिकवाली की और उनकी शुद्ध बिक्री 4,111 करोड़ रुपये की रही। वहीं देसी संस्थानों ने 6,748 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

बेंचमार्क सेंसेक्स 516 अंक यानी 0.7 फीसदी की गिरावट के साथ 77,328 पर बंद हुआ। निफ्टी 151 अंक यानी 0.6 फीसदी की नरमी के साथ 24,176 पर टिका। शुक्रवार की इस गिरावट ने बेंचमार्क सूचकांकों के साप्ताहिक लाभ को कम कर दिया। इस सप्ताह सेंसेक्स में 0.5 फीसदी की बढ़त आई जबकि निफ्टी में 0.7 फीसदी का इजाफा हुआ। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण 1.5 लाख करोड़ रुपये घटकर 473.5 लाख करोड़ रुपये रह गया।

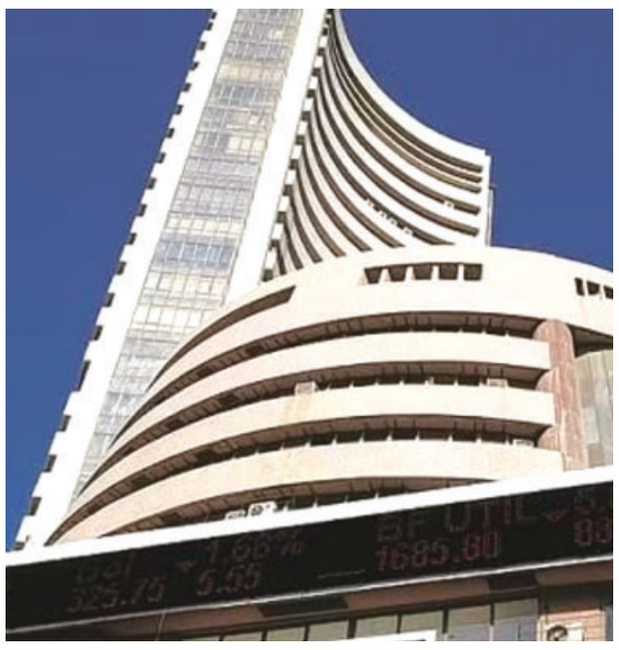

दिन के दौरान 100 डॉलर का स्तर छूने के बाद ब्रेंट क्रूड 99.86 डॉलर पर कारोबार कर रहा था। खबरों के मुताबिक रात के समय ईरान और अमेरिका के बीच होर्मुज स्ट्रेट के पास झड़प हुई। इस ताजा तनाव से नाजुक संघर्ष-विराम को खतरा पैदा हो गया है, जो पिछले एक महीने से कायम था। दोनों पक्ष युद्ध समाप्त करने के लिए किसी स्थायी समझौते पर पहुंचने में अभी तक सफल नहीं हो पाए हैं।

खबरों के मुताबिक अमेरिका ने ईरान के मिसाइल और ड्रोन लॉन्च ठिकानों पर हमले किए। अमेरिका का दावा था कि ये जगह ही उस हमले के लिए जिम्मेदार थीं, जो स्ट्रेट से गुजर रहे अमेरिकी युद्धपोतों पर किया गया था। इससे पहले ईरान ने कहा था कि अमेरिका ने उसके दो तेल टैंकरों को निशाना बनाया है। उसने वॉशिंगटन पर आरोप लगाया था कि उसने कुछ क्षेत्रीय देशों के सहयोग से उसके दक्षिणी समुद्र तटीय नागरिक इलाकों पर हमला किया है।

युद्ध की वजह से होर्मुज स्ट्रेट बंद पड़ा है। इस रास्ते से दुनिया का तेल का पांचवां हिस्सा गुजरता है। इसके चलते कच्चे तेल की कीमतें बढ़ गई हैं। तेल की ऊंची कीमतें भारत में महंगाई को बढ़ावा देती हैं, जिससे आर्थिक विकास और कंपनियों की कमाई पर बुरा असर पड़ता है। कई ब्रोकरेज फर्मों ने भारतीय शेयरों की रेटिंग घटा दी है और इसके लिए उन्होंने तेल कीमतों से पड़ने वाला असर बताया है। विश्लेषकों का कहना है कि बाजार का रुख़ काफी हद तक युद्ध से जुड़ी घटनाओं पर निर्भर कर रहा है।

शांति समझौते की उम्मीद और मार्च तिमाही की कमाई में कोई भी नकारात्मक हैरानी न होने से बेंचमार्क सूचकांक पिछले दो हफ्तों में बढ़त के साथ बंद हुए थे। लेकिन हालिया झड़पों ने उन उम्मीदों को झटका दिया है।

जियोजित इन्वेस्टमेंट में शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, होर्मुज स्ट्रेट के पास अमेरिका और ईरान के बीच नई सैन्य कार्रवाई के बाद बाजारों में जोखिम से बचने का माहौल देखा गया। इस सैन्य कार्रवाई से संघर्ष-विराम की उम्मीदें कमजोर हुईं और निवेशकों ने मुनाफ़ावसूली शुरू कर दी। लेकिन कच्चे तेल की कीमतों में 100 डॉलर प्रति बैरल के आसपास स्थिरता और अमेरिका के 10 वर्षीय बॉन्ड की यील्ड में नरमी से बाजार के समग्र माहौल और रुपये को लगातार समर्थन मिल रहा है। पर आगे का रास्ता थोड़ा ऊबड़-खाबड़ है, फिर भी किसी संभावित कूटनीतिक समाधान को लेकर उम्मीद बनी हुई है।

नायर ने कहा कि निवेशक कंपनियों की अनुकूल कमाई से पैदा होने वाले अवसरों पर अपना ध्यान दे रहे हैं और कई मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों के मूल्यांकन अभी भी आकर्षक लग रहे हैं।

बाजार में चढ़ने व गिरने वाले शेयरों का अनुपात कमजोर रहा और 2,217 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई जबकि 2,020 शेयरों में इजाफा हुआ। एसबीआई में 6.6 फीसदी की गिरावट आई और इसने सेंसेक्स पर सबसे ज्यादा दबाव बनाया। एचडीएफसी इंडेक्स में सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला शेयर साबित हुआ।

एसबीआई सिक्योरिटीज में तकनीकी व डेरिवेटिव शोध प्रमुख सुदीप शाह ने कहा, आगे चलकर निफ्टी के लिए समर्थन का तात्कालिक स्तर 24,000–23,950 के दायरे में है। अगर निफ्टी इस दायरे से नीचे लगातार बना रहता है तो इसकी कमजोरी बढ़कर 23,800 तक जा सकती है और उसके बाद कम समय में 23,650 तक पहुंच सकती है। ऊपर की तरफ प्रतिरोध का तात्कालिक स्तर 24,330–24,350 के दायरे में है।

दमदार तिमाही नतीजों से डाबर के शेयर को दम

परिणाम के बाद शेयर में आई करीब 4 फीसदी की तेजी

निकिता वशिष्ठ
नई दिल्ली, 8 मई

शुक्रवार को डाबर इंडिया के शेयर में 3.7 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली, जबकि बीएसई का सेंसेक्स 0.66 प्रतिशत नीचे गिर गया। विश्लेषकों ने कंपनी के मार्च तिमाही के नतीजों को पसंद किया है, जो उम्मीद के मुताबिक रहे और भारत में कारोबार में अच्छी बढ़त के बल पर आए। हालांकि उनका मानना है कि इस एफएमसीजी कंपनी में आगे चलकर मांग में बड़े पैमाने पर सुधार देखने को मिल सकता है। लेकिन कंपनी के कमजोर परिचालन रिकॉर्ड को देखते हुए वे इसके भविष्य को लेकर अभी भी सतर्क हैं। ज्यादातर ब्रोकरेज फर्मों ने डाबर इंडिया के शेयर पर अपनी रेटिंग और कीमत लक्ष्य को बरकरार रखा है और आय अनुमानों में मामूली बढ़ोतरी की है।

मोतीलाल ओसवाल फाइनैंशियल सर्विसेज के विश्लेषकों ने कहा, 'वित्त वर्ष 2025 में 1.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करने के बाद वित्त वर्ष 2026 में राजस्व बढ़ोतरी में मामूली सुधार हुआ और यह 5 प्रतिशत तक पहुंच गई। प्रबंधन ने भारत में व्यवसाय के राजस्व अनुमान को ऊंचे एक अंक से बदलकर निचले दो अंक में कर दिया है, क्योंकि उन्हें वित्त वर्ष 2027 में बिक्री और मूल्य निर्धारण, दोनों से मदद मिलने की उम्मीद है। हालांकि हम भारत में खपत को लेकर सकारात्मक हैं, लेकिन डाबर का ऐतिहासिक रूप से कमजोर क्रियान्वयन हमारे लिए चिंता का मसला है।'

प्रबंधन ने बढ़ाया राजस्व अनुमान

वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में डाबर इंडिया का कुल राजस्व सालाना आधार पर लगभग 7 प्रतिशत बढ़ा, जिसमें भारत के कारोबार से होने वाले राजस्व में 10 प्रतिशत के इजाफे का अहम योगदान रहा।

विभिन्न सेगमेंटों की बात करें तो डाबर के होम ऐंड पर्सनल केयर (एचपीसी) कारोबार ने राजस्व में 17 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की। हेल्थकेयर पोर्टफोलियो में लगभग 4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। एफऐंडबी सेगमेंट में सालाना आधार पर 3 प्रतिशत का सुधार हुआ।

वित्त वर्ष 2026 की दूसरी छमाही में होम ऐंड पर्सनल केयर कारोबार की मांग में सुधार हुआ। प्रबंधन को आगे भी यह रफ्तार बरकरार रहने की उम्मीद है। गर्मी के सीजन और कार्बोनेटेड पेय की तुलना में कम कीमत अंतर की वजह से बेवरिजेस कारोबार में भी उसे सुधार की उम्मीद है।

खास बात यह है कि डाबर इंडिया के भारतीय कारोबार की बिक्री में 6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई जो वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में 3 प्रतिशत थी। ग्रामीण बाजार शहरी खपत से लगभग 350 आधार अंक आगे रहे। वैश्विक ब्रोकरेज फर्म नोमूरा ने बताया कि कम आधार के बावजूद डाबर के भारत कारोबार की बिक्री में बढ़ोतरी उसके प्रतिस्पर्धियों मैरिको (9 प्रतिशत) और गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स (8 प्रतिशत) के मुकाबले कम रही। प्रबंधन ने कहा कि पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक उथल-पुथल के कारण अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय में निकट भविष्य में उतार-चढ़ाव बना रहेगा, हालांकि ज्यादातर क्षेत्रों में वृद्धि की बुनियाद मजबूत बनी हुई है। इस बीच, एफएमसीजी कंपनी का एबिटा सालाना आधार पर 8.2 प्रतिशत बढ़कर 461.8 करोड़ रुपये हो गया और शुद्ध लाभ 15.1 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 368.6 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

डाबर इंडिया का परिदृश्य

आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने वित्त वर्ष 2027 के लिए अपने आय अनुमानों को 4.1 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2028 के लिए 5.5 प्रतिशत बढ़ा दिया है। वित्त वर्ष 2026-28 के दौरान राजस्व, एबिटा और पीएटी की सीएजीआर को क्रमशः 11 प्रतिशत, 14 प्रतिशत और 14 प्रतिशत किया है।

ब्रोकरेज फर्म ने शेयर को अपग्रेड करते हुए इसका कीमत लक्ष्य बढ़ाकर 530 रुपये (पहले 450 रुपये था) कर दिया है।

हालांकि, मोतीलाल ओसवाल फाइनैंशियल सर्विसेज ने अपनी 'तटस्थ' रेटिंग और 475 के कीमत लक्ष्य को बरकरार रखा है। उसका मानना है कि डाबर का प्रदर्शन आर्थिक बहाली, खासकर ग्रामीण मांग के प्रति संवेदनशील बना हुआ है।

ऑन ईएमआई टेक का शेयर बढ़त के साथ सूचीबद्ध

ऑनलाइन ऋण देने वाले मंच किश्त का परिचालन करने वाली कंपनी ऑनईएमआई टेक्नॉलजी सॉल्यूशंस लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 171 रुपये के मुकाबले करीब 12 फीसदी की बढ़त के साथ शुक्रवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। कारोबार के अंत में यह शेयर एनएसई पर 22 फीसदी चढ़कर 208.63 रुपये पर बंद हुआ। इसने 191 रुपये पर कारोबार शुरू किया। एनएसई पर यह 11.11 फीसदी की वृद्धि के साथ 190 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 3,417.68 करोड़ रुपये रहा।।

जेप्टो समेत छह फर्मों के आईपीओ को मंजूरी

सामान की फटाफट आपूर्ति करने वाले मंच जेप्टो और वाहनों के कलपुर्जे बनाने वाली कंपनी धूत ट्रांसमिशन समेत छह कंपनियों को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के माध्यम से पूंजी जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी की मंजूरी मिल गई है। बाजार नियामक से प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंजूरी पाने वाली अन्य कंपनियों में होराइजन इंडस्ट्रियल पार्क्स, सर्जीवियर, क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन और होटल पोलो टावर्स शामिल हैं।

इन कंपनियों ने अक्टूबर से फरवरी के बीच आईपीओ के लिए दस्तावेज जमा कराए थे और उन्हें चार से आठ मई के बीच सेबी की टिप्पणियां प्राप्त हुईं। सेबी की भाषा में टिप्पणियां मिलना सार्वजनिक निर्गम लाने की मंजूरी है। जेप्टो और धूत ट्रांसमिशन ने गोपनीय मार्ग के तहत अपने दस्तावेज दाखिल किए थे। जेप्टो अपने आईपीओ के जरिये लगभग 11 हजार करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। अगर यह सूचिबद्ध होने में सफल होती है तो यह अपने प्रतिस्पर्धियों जोमैटो और स्विगी की श्रेणीआ जाएगी। *भाषा*

इनक्रेड होल्डिंग्स ने अपडेटेड दस्तावेज जमा कराए

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) इनक्रेड होल्डिंग्स ने आईपीओ लाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष अद्यतन मसौदा दस्तावेज दाखिल किए हैं। इस घटनाक्रम से परिचित लोगों के अनुसार, निर्गम का आकार लगभग 3,000-4,000 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि कंपनी प्रस्तावित आईपीओ के माध्यम से लगभग 15,000 करोड़ रुपये का मूल्यांकन हासिल करने का लक्ष्य रख रही है। अद्यतन दस्तावेजों के अनुसार, प्रस्तावित आईपीओ में 1,250 करोड़ रुपये तक के नए शेयर और 9.9 करोड़ शेयर का ओएफएस शामिल है। *भाषा*

बीएसई के अच्छे नतीजों से ब्रोकरेज ने बढ़ाया अनुमान

खुशबू तिवारी
मुंबई, 8 मई

मार्च 2026 में समाप्त हुई तिमाही में बीएसई के एकीकृत शुद्ध लाभ और राजस्व में जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज करने के बाद कई ब्रोकरेज हाउस ने इस शेयर के लिए कमाई के अनुमानों में बदलाव किया है। हालांकि, शुक्रवार को यह शेयर 1.5 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ।

ब्रोकरेज फर्मों के बीच यह आशावाद एक्सचेंज के लेनदेन राजस्व में हुई बढ़ोतरी और बाजार हिस्सेदारी में हुए लाभ के कारण है। एक्सचेंज का लेनदेन राजस्व पिछली तिमाही के मुकाबले 36 फीसदी बढ़ा, जिसमें ऑप्शंस राजस्व की मुख्य भूमिका रही।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने अपनी रिपोर्ट में बताया, बीएसई की ऑप्शंस प्रीमियम बाजार हिस्सेदारी तीसरी तिमाही के 26.8 फीसदी से सुधारकर चौथी तिमाही में 27.5 फीसदी पर पहुंच गई। प्रीमियम रोजाना औसत ट्रेडिंग वॉल्यूम 289 अरब रुपये (तिमाही आधार पर 49 फीसदी की बढ़त) तक पहुंच गया और अप्रैल 26 में यह और बढ़कर 34 फीसदी हो गया।

ब्रोकरेज फर्म ने इस शेयर में और निवेश की रेटिंग को बनाए रखा है और लक्षित कीमत को संशोधित करके 4,300 रुपये कर दिया है, जो पहले 3,800 रुपये था। फर्म ने कहा, लंबे समय वाले ऑप्शंस का हिस्सा बढ़कर 6 फीसदी हो गया है और प्रबंधन का लक्ष्य संस्थागत भागीदारी बढ़ाकर इसमें और वृद्धि करना है। हमारा अनुमान है कि वित्त वर्ष 27/28 ई में ऑप्शंस प्रीमियम की बाजार हिस्सेदारी 31/35 फीसदी रहेगी जबकि वित्त वर्ष 26 में यह 25 फीसदी रही। हमने वॉल्यूम बढ़ने के अनुमानों के आधार पर ईपीएस के अनुमानों में 12-14 फीसदी की वृद्धि की है और वित्त वर्ष 26-28 ई के लिए राजस्व और ईपीएस की सालाना चक्रवृद्धि रफ्तार क्रमशः 32 फीसदी और 31 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है।

बीएसई का लक्ष्य अपनी नकदी बाजार हिस्सेदारी को 7-8 फीसदी से बढ़ाकर दो अंकों तक ले जाना है और इसके लिए वह हिस्सा लेने वाले एफपीआई (विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों) की संख्या को बढ़ाकर 800 करने की कोशिश कर रहा है। पिछले एक साल में यह संख्या 100 एफपीआई से बढ़कर 520 हो गई है। मोतीलाल ओसवाल फाइनैंशियल सर्विसेज ने अपनी रिपोर्ट में कहा, मार्च 2026/अप्रैल 2026 की मजबूत रन रेट के आधार पर ज्यादा वॉल्यूम के अनुमानों को ध्यान में रखते हुए हमने वित्त वर्ष 2027/वित्त वर्ष 2028 के लिए अपने कमाई के अनुमानों को 17/20 फीसदी तक बढ़ा दिया है।

ब्रोकरेज फर्म ने इस शेयर पर अपनी तटस्थ रेटिंग दोहराई है, जिसका लक्षित मूल्य 4,400 रुपये रखा गया है (जो वित्त वर्ष 28ई ईपीएस के 40 गुना पर आधारित है)। मोतीलाल ओसवाल ने इस बात पर जोर दिया कि उसने प्रोप्राइटरी ट्रेडिंग पर आरबीआई के नियमों के किसी भी असर को इसमें शामिल नहीं किया है। नुवामा इंस्टिट्यूशनल इक्विटीज ने भी इस शेयर पर अपनी खरीद रेटिंग बरकरार रखी है और इसके लक्षित मूल्य को पहले के 3,760 रुपये से बढ़ाकर 4,570 रुपये कर दिया है।

ब्रोकरेज ने कहा, हम समायोजित कर पश्चात लाभ के अनुमानों में बदलाव कर रहे हैं, जिसमें एसटीटी में शुरुआती बढ़ोतरी के असर को शामिल किया गया है। इससे हमारा वित्त वर्ष 27ई/28ई समायोजित कर पश्चात लाभ 12.3/15.9 फीसदी बढ़ जाएगा। एनएसई पर लिस्टिंग के बाद कमाई के अनुमानों में और भी बढ़ोतरी होगी।

ब्रोकरेज कंपनियां आशावादी बनी हुई हैं, वहीं दूसरी ओर शुक्रवार को बीएसई के शेयर में करीब 1.5 फीसदी की गिरावट आई।

डॉलर के मुकाबले रुपये में आई कमजोरी

अंजलि कुमारी
मुंबई, 8 मई

शुक्रवार को उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बाद अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 0.25 फीसदी कमजोर होकर बंद हुआ। डीलरों ने बताया कि पश्चिम एशिया में फिर से तनाव बढ़ने और संघर्ष-विराम को खतरे के बीच दिन भर स्थानीय मुद्रा पर दबाव बना रहा। बाजार के जानकारों ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक ने विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप करते हुए डॉलर की बिक्री की और इस तरह उसने घरेलू मुद्रा को और अधिक कमजोर होने से बचाया।

दिन के दौरान रुपया गिरकर 94.68 प्रति डॉलर तक पहुंच गया। लेकिन बाद में कुछ नुकसान की भरपाई करते हुए 94.48 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। एक दिन पहले यह 94.25 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। एक सरकारी बैंक के डीलर ने कहा, युद्ध विराम उल्लंघन की खबरें थीं, जिसके कारण बाजार की शुरुआत पिछले दिन के बंद स्तर से बड़े अंतर के साथ हुई। उन्होंने कहा, बाद में हालात स्थिर हो गए और आरबीआई ने बाजार में उतार-चढ़ाव नियंत्रित करने के लिए हस्तक्षेप किया।

खबरों से पता चला है कि तकनीकी रूप से युद्धविराम लागू होने के बावजूद होर्मुज स्ट्रेट के आस-पास अमेरिका और ईरान के बीच फिर से झड़पें हुईं। ईरान ने आरोप लगाया कि अमेरिकी सेना ने एक ईरानी टैंकर, जहाजों और कुछ तटीय इलाकों को निशाना बनाया, जबकि अमेरिका ने ईरान पर आरोप लगाया कि उसने व्यापारिक जहाज़ों की सुरक्षा कर रहे अमेरिकी युद्धपोतों पर मिसाइलों और ड्रोन से हमला किया।

खबरों के मुताबिक जवाब में अमेरिका ने ईरान के मिसाइल और ड्रोन ठिकानों पर जवाबी हमले किए। जहां एक तरफ संघर्ष को भड़कने से रोकने के लिए पर्दे के पीछे कूटनीतिक प्रयास जारी हैं, वहीं हाल के घटनाक्रमों ने एक बार फिर उजागर कर दिया है कि स्थिति कितनी नाजुक है।

APPOINTMENTS

सिडबी

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक
विज्ञापन संख्या 01/ 2026-27

Great Place To Work. Certified 2026 - 2027 INDIA

संविदा के आधार पर विशेषज्ञ अधिकारियों की नियुक्ति (पूर्णकालिक) – 2026-27

सिडबी, एमएसएमई क्षेत्र के लिए प्रधान वित्तीय संस्थान, पूर्णकालिक संविदा के आधार पर निम्नलिखित पदों के लिए पात्र और उपयुक्त उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित करता है, जिसका विवरण नीचे दिया गया है :-

क्रम सं	पद	पद कूट	कुल रिक्तियां	आरक्षित रिक्तियाँ					
				अना	ईडब्ल्यूएस	अपिव	अजा	अजजा	पीडब्ल्यूबीडी (वीआई)
1	प्रभाव आकलन विश्लेषक (आईएए)	01	01	01	-	-	-	-	01
2	वरिष्ठ कार्यक्रम डिजाइनर (एसपीडी)	02	01	01	-	-	-	-	01
3	सहमति प्रबंधक (सीएम)	03	01	01	-	-	-	-	01
4	डेटा ऑडिटर (डीए)	04	01	01	-	-	-	-	01
5	मुख्य डेटा और विश्लेषिकी अधिकारी (सीडीएओ)	05	01	01	-	-	-	-	01

पूर्ण आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि **29 मई, 2026** है। विस्तृत विज्ञापन जिसमें पात्रता मानदंड, पारिश्रमिक, चयन प्रक्रिया आदि और आवेदन पत्र शामिल हैं, सिडबी की वेबसाइट **www.sidbi.in** में कैरियर और भर्ती अनुभाग, पर उपलब्ध हैं। कोई भी संशोधन सिडबी की वेबसाइट पर ही प्रकाशित किया जाएगा।

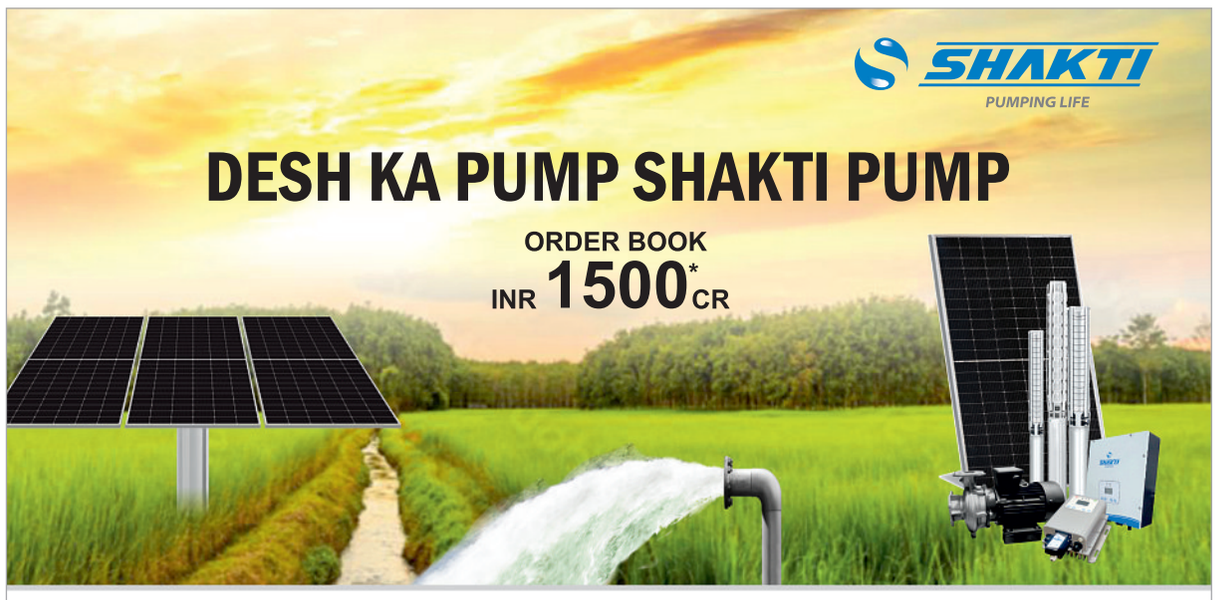

* अधिक जानकारी के लिए कृपया विस्तृत विज्ञापन देखें।

SHAKTI
PUMPING LIFE

DESH KA PUMP SHAKTI PUMP

ORDER BOOK
INR 1500* CR

FINANCIAL HIGHLIGHTS FY 2025-26

REVENUE ₹ 2722 CR. | EBITDA ₹ 422 CR. | PBT ₹ 359 CR. | PAT ₹ 258 CR. | EPS ₹ 21.02 INR

Statement of Consolidated and Standalone Financial Results for the Quarter and Year ended on 31st March, 2026

(Rs. In Crores, unless otherwise stated)

Sr. No	Particulars	Consolidated					Standalone				
		Quarter Ended			Year ended		Quarter Ended			Year ended	
		March 31, 2026	December 31, 2025	March 31, 2025	March 31, 2026	March 31, 2025	March 31, 2026	December 31, 2025	March 31, 2025	March 31, 2026	March 31, 2025
		Unaudited	Unaudited	Unaudited	Audited	Audited	Unaudited	Unaudited	Unaudited	Audited	Audited
1	Total Income	867.47	558.69	669.76	2,722.45	2,533.33	852.81	553.25	656.02	2,680.48	2,505.04
2	Profit before tax	66.21	41.76	150.23	359.15	555.80	53.39	39.66	141.69	336.73	529.39
3	Net Profit/(loss) for the period after tax	38.33	31.70	110.23	257.58	408.37	29.13	30.05	104.40	243.79	393.63
4	Total Comprehensive Income for the period	41.02	34.31	111.40	264.14	410.67	29.47	30.91	104.47	245.23	393.43
5	Equity share capital (Face Value: Rs.10/- per share)	123.40	123.40	120.21	123.40	120.21	123.40	123.40	120.21	123.40	120.21
6	Earnings per equity share (EPS) of Rs.10/- each for continued and discontinued operations										
	(1) Basic	3.11	2.57	9.17	21.02	33.97	2.36	2.44	8.69	19.89	32.75
	(2) Diluted	3.10	2.57	9.17	21.00	33.97	2.36	2.43	8.68	19.88	32.74

- The Extract of the detailed format of Quarterly Financial Results Filed with Stock Exchanges under Regulation 33 of SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the Quarterly Financial Results are available on Stock Exchanges website: (BSE: https://www.bseindia.com/ and NSE: https://www.nseindia.com/) and the website of the company https://www.shaktipumps.com/ which can also be access by scanning QR code.
- The Company operates its business through operating segments, representing our business on the basis of geographies which are India & Overseas.
- The above results have been reviewed by the Audit Committee and approved by the Board of Directors at their respective meetings held on May 7, 2026
- Figures for the corresponding previous periods have been regrouped/rearranged, wherever necessary.

*Order Book includes domestic & export executable orders as on 07th May 2026

For: Shakti Pumps (India) Limited
SD/-
Dinesh Patidar
Chairman & Whole Time Director
(DIN: 00549552)

Place : Indore
Date: 08.05.2026

देश का पम्प शक्ति पम्प
SHAKTI PUMPS (INDIA) LIMITED

CIN : L29120MP1995PLC009327 I Web: www.shaktipumps.com I E-mail: info@shaktipumps.com, sales@shaktipumps.com
Corporate Office : Plot No. C-04, Silver Spring, Phase-2, Business Park, By-Pass Road, Opp D Mart, Indore-452020. (M.P.) INDIA. Tel.: +91 731 3635000
Regd. Office / Factory Add. : Plot No. 401, 402 & 413, Industrial Area, Sector - 3, Pithampur-454774, Dist. Dhar (M.P.) INDIA. Tel.: +91 7292 410500

OBJECTIONABLE COMMENTS BY MADHYA PRADESH MINISTER VIJAY SHAH DURING OPERATION SINDOOR

Enough is Enough: SC Raps MP Govt for Delay in Prosecuting Min Over Col Qureshi Remark

MOST UNFORTUNATE Just comply with our order now, the first thing should have been an apology: Top court

Raghav Ohri

New Delhi: The Supreme Court on Friday strongly disapproved of the delay by the Madhya Pradesh government in deciding on the grant of sanction to prosecute state minister Kunwar Vijay Shah for his objectionable remarks against Colonel Sofiya Qureshi, who had briefed the media during last year's Operation Sindoor.

Taking exception to the delay, a division bench comprising Chief Justice of India (CJI) Surya Kant and Justice Joymalya Bagchi observed that the decision on the Special Investigation Team's (SIT) request for prosecution sanction against Shah should have been taken two weeks ago. The SIT probed the case on the directions of the SC and had sought the government's sanction to prosecute the minister. "Just comply with our order now. Enough is enough. The first thing should have been an apology. It was only after we took cognisance (of the case)," CJI Kant orally told Solicitor General Tushar Mehta, who apprised the bench that the decision on sanction to prosecute the minister was still pending.

Mehta contended that Shah's remarks may have been misread. "What he said was unfortunate. Possibly he wanted to praise the lady officer," Mehta submitted. Finding little force in the argument, CJI Kant remarked, "It was not unfortunate. It was most unfortunate." Mehta reiterated, "He (Shah) wanted to praise the lady. But he could not articulate himself." However, the argument cut no ice with the bench, with the CJI remarking, "As a politician, he knows how to articulately praise the lady officer."

Justice Bagchi pointed out that according to SIT's status report, Shah was in the habit of making such comments. "Let the state consider the totality of circumstances and take a call," the bench added.

According to SIT's status report, MP minister Shah was in the habit of making such comments: Justice Bagchi

In May last year, the apex court had constituted a three-member SIT to investigate the FIR registered by the Madhya Pradesh Police on the directions of the Madhya Pradesh High Court. The SIT comprises IPS officers, including a woman officer. The SC had clarified that IPS officers should be from outside MP.

The HC had taken suo motu cognisance of Shah's remarks against Colonel Qureshi calling her a "sister of terrorists". During an earlier hearing, the SC had observed that Shah's comments were "most unfortunate" and that he had "ruthlessly played with the sentiments" of the public by making such remarks.

OTHER NEWS OF THE DAY

Misri's Planned Visit to Nepal Postponed

New Delhi: The proposed visit of Foreign Secretary Vikram Misri to Kathmandu early next week has been postponed, according to a report in the Kathmandu Post, Nepal's leading English-language daily. "Citing Misri's other commitments, the Indian side informed Nepal that the trip had been postponed, at least for now, according to multiple government officials who did not want to be named as they are not authorised to speak with media, adding that the southern neighbour had not given an exact reason for the postponement," according to the Post. Nepal foreign ministry officials, privy to the development, give two possible reasons for the postponement. First, PM Balendra Shah's refusal to meet Misri, ignoring repeated requests. Second, the recent dispute between Nepal and India over the Lipulekh trijunction, claimed the paper. – OPB

HC to Hear CBI plea on May 11 in Kejriwal Case

New Delhi: The Delhi HC on Friday deferred hearing till May 11 on CBI's petition challenging trial court's discharge order in liquor policy case, saying it was awaiting consent of certain senior lawyers to represent AAP leaders Arvind Kejriwal, Manish Sisodia and Durgesh Pathak. Justice Swarana Kanta Sharma said she would pass the necessary order on appointment on Monday and begin hearing the matter on Tuesday. "I am awaiting the consent of some persons who will be representing them," said Justice Sharma. The three AAP leaders have boycotted the hearing before Justice Sharma after she refused to recuse herself on their applications alleging conflict of interest and apprehension of bias. – PTI

PAK AIR FORCE OPERATES CHINESE-MADE J-10CE FIGHTER JETS

China Confirms Support to Pakistan During 4-day War with India Last Year

Mission was to ensure Chinese military equipment performed at full combat potential: Zhang Heng, AVIC engineer

Press Trust of India

Beijing: China, for the first time, has confirmed that it provided on-site technical support to Pakistan during the four-day conflict with India last year, official media reports here said. China's state broadcaster CCTV on Thursday aired an interview with Zhang Heng, an engineer from the Aviation Industry Corporation of China's (AVIC) Chengdu Aircraft Design and Research Institute, a key developer of China's advanced fighter aircraft and unmanned aerial vehicle design.

China had previously downplayed such allegations via official diplomatic and military channels

Zhang had provided technical support to Pakistan during the four-day war last May, Hong Kong-based South China Morning Post reported, quoting CCTV. Pakistan's air force operates a fleet of Chinese-made J-10CE jets, produced by an AVIC subsidiary. "At the support base, we frequently heard the roar of fighter jets taking off and the constant wail of air-raid sirens. By late morning, in May, the temperature was already approaching 50 degrees Celsius. It was a real ordeal for us, both mentally and physically," Zhang said. What drove his team was the "desire to do an even better job with on site support" and to ensure their equipment could "truly perform at its full combat potential", Zhang told CCTV. "That wasn't just a recognition of J-10CE; it was also a testament to the deep bond we formed through working side by side, day in and day out," he said.

Chinese foreign ministry and military officials have either parried or played down allegations of China's support for Pakistan during the conflict. There was no official reaction to India's Deputy Chief of Army Staff Lt General Rahul R Singh's assertion that Beijing provided active military support to Pakistan during Operation Sindoor, using the conflict as a "live lab".

In an address at a seminar on "New Age Military Technologies" in July last year, Lt Gen Singh suggested that China used its satellites to monitor Indian military deployment as the Pakistani military was getting live inputs on it during the DGMO (Director General of Military Operations)-level phone talks. He likened China's strategy during Operation Sindoor to its ancient military strategy of "36 stratagems" and killing the adversary with a "borrowed knife" to buttress the point that Beijing extended all possible support to Pakistan to cause pain to India.

Chinese officials and social media played up Pakistan's claims of shooting down Indian fighter planes to showcase Chinese tech superiority, even though there was no evidence to support Islamabad's assertion. But Chinese officials and media remained silent about Pakistan suffering heavy collateral damage, including several terrorist headquarters, key air bases and failure of Chinese radars, which enable India's air superiority.

PENDENCY OF CRIMINAL TRIALS UNDER LAWS LIKE UAPA

SC Orders Setting Up of Special Courts for Speedy NIA Trials

'Pending cases before special courts will be taken up on a day-to-day basis'

Our Political Bureau

New Delhi: The Supreme Court on Friday issued a series of directions aimed at expediting trials pending before special courts in cases under the National Investigation Agency (NIA) Act.

A division bench comprising Chief Justice of India (CJI) Surya Kant and Justice Joymalya Bagchi ordered that there shall be at least one special NIA court for every 10 to 15 pending trials.

The directions were passed during the resumed hearing of a suo motu case registered in February to oversee the creation of special courts to tackle the pendency of criminal trials under special laws such as the Unlawful Activities (Prevention) Act (UAPA). "If there are more than 15 trials pending within the jurisdiction of a particular high court, then in that case two courts will be set up. Whereas, where trials exceed 25, three courts will be set up," the bench ordered. The bench directed the Centre and the NIA to approach the jurisdictional high courts for setting up exclusive courts for hearing such matters.

It further ordered that pending cases before these courts will be taken up on a day-to-day basis. "However, the Presiding Officers shall be at liberty to list matters in the manner they want, while ensuring that at least one trial is concluded within a month," the bench added. The top court also directed the concerned authorities to ensure compliance with its directions regarding the availability of requisite space to establish these courts, subject to the government releasing the necessary funds. "Before issuing any direction for releasing proposed grants, we impress upon the central government that the requisite assistance shall be directed towards releasing the necessary funds to build only those additional structures which are important for implementation of these directions and for conducting those trials, especially with respect to the high courts and setting up special courts for conducting those trials, including metropolitan and civil court complexes," the bench added.

The SC had earlier underlined that judges presiding over NIA courts must not be burdened with additional work.

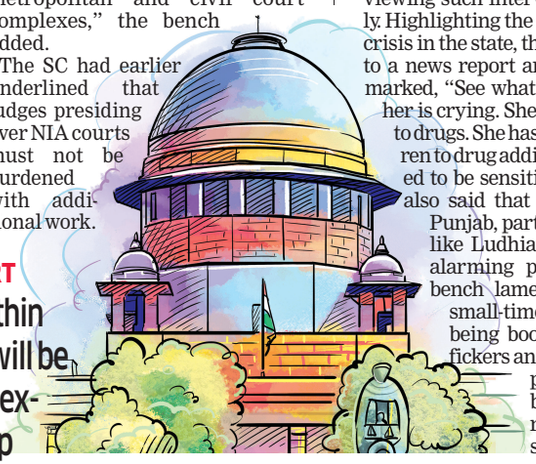

JURISDICTION OF A HIGH COURT

For over 15 trials pending within jurisdiction of a HC, 2 courts will be set up; whereas, where trials exceed 25, 3 courts will be set up

Punjab's Drug Abuse Crisis Has Reached Alarming Levels, says Supreme Court

New Delhi: The Supreme Court on Friday expressed serious concern over the rising drug crisis in Punjab and the alarming human toll of narcotics abuse.

A division bench comprising Chief Justice of India (CJI) Surya Kant and Justice Joymalya Bagchi indicated that the situation may require both structural and policy-level intervention. The bench also said that the Centre's involvement might become necessary, while cautioning against viewing such intervention politically. Highlighting the scale of the drug crisis in the state, the bench referred to a news report and CJI orally remarked, "See what we read. A mother is crying. She lost her fifth son to drugs. She has lost all her children to drug addiction... Police need to be sensitised." The bench also said that the situation in Punjab, particularly in areas like Ludhiana, had reached alarming proportions. The bench lamented that while small-time offenders were being booked, major traffickers and influential people instrumental behind the drug racket escaped scrutiny. — OPB

BJP, Sena Seek Probe into AIMIM Link in TCS 'Love Jihad' Case

Krishna Kumar

Mumbai: A day after Nida Khan, one of the accused staffers in the TCS 'love jihad' case, was arrested and a local AIMIM corporator booked for allegedly helping her hide, BJP and Shiv Sena leaders have demanded a police probe into possible links with the AIMIM in the alleged "conspiracy case".

Khan was arrested from Naregaon in Chhatrapati Sambhajinagar on Thursday night during a joint operation by the Nashik Police and the Chhatrapati Sambhajinagar Police. She was reportedly hiding at the residence of AIMIM corporator Mateen Patel. " This is not just about conversion; there is a much larger angle to it. Those who have supported her are from AIMIM. Former AIMIM MP Imtiaz Jaleel had even met her (Khan) recently and expressed support for her. Khan is just a small player. We want Jaleel to be investigated in this case," said Shiv Sena minister Sanjay Shirsat.

Tata Sons' Listing Question

▸▸ From Page 1

The decision to formally examine board representation suggests the trusts are seeking to reinforce internal cohesion and ensure their nominees reflect the dominant institutional stance.

Singh's role as a Tata Sons board member was not renewed last year.

Any move to replace Srinivasan would be closely watched, given his standing in corporate India and his role in Tata Trusts' leadership.

The Tata Sons articles provide for removal and appointment of nominee directors. This requires the support of SDTT and SRTT.

The trusts were also set to discuss a complaint to the Maharashtra charity commissioner on the matter of perpetual trustees by advocate Katyayani Agrawal of SV & Co, arguing the Tata Trusts have breached statutory limits introduced by the state last year.

Tata Trusts continues to firmly back Tata Sons' status as an unlisted entity, with the majority of trustees supporting the existing resolution despite a few dissenting voices, people cited above said.

The divergence of views remains limited and has not translated into any formal move to revisit the decision.

The SDTT board includes Noel Tata, Srinivasan, Singh, Darius Khambata, Neville N Tata and Bhaskar Bhat. SRTT includes Noel Tata, Srinivasan, Singh, Jimmy Tata, Jehangir HC Jehangir and Khambata.

Safeguarding Business

▸▸ From Page 1

Families having their members in multiple parties was a very common practice in the South, political analyst Sumanth C Raman said.

"It was openly acknowledged that industrial families would have one brother in the AIADMK and another in the DMK just so that regardless of who was in power, the family's interests would be protected," he said. "Leema Rose Martin had no connection with the AIADMK until a few weeks before the election. So, the diversification of political interests is to safeguard the business."

In the lead up to the elections, both Leema Rose and Charles were attacked for their association with Santiago Martin. DMK leader Udayanidhi Stalin said during a roadshow that the aim of the family was to revive their business in Tamil Nadu where the sale of lottery tickets was banned in 2003.

Charles was lambasted by the opposition party in Puducherry. Congress leader Dolly Sharma criticised the LJK founder accusing him of intending to defraud the entire union territory through lottery schemes.

ED Arrests 3 Gameskraft Founders in Fraud Case

Our Political Bureau

New Delhi: The Enforcement Directorate (ED) on Friday arrested three founders of the Gameskraft group under provisions of the Prevention of Money Laundering Act (PMLA) for their alleged involvement in a money laundering case linked to cheating and fraud, people aware of the matter said.

The trio — Deepak Singh, Prithvi Raj Singh and Vikas Taneja — were arrested on Friday. Deepak Singh and Prithvi Raj Singh were arrested from the NCR region, following which the federal agency obtained transit remand to produce them before a Bengaluru court. Vikas Taneja was arrested in Bengaluru and produced before a local court there.

The probe agency had registered a PMLA case against Gameskraft Technologies Ltd and other associated entities based on multiple FIRs alleging cheating and fraud against the company and its founders, who allegedly owned and operated online real-money gaming platforms such as 'RummyCulture' and the RummyTime app.

Agency sources said multiple FIRs linked to alleged suicides by victims had also been registered against the company.

On May 7, ED conducted searches at 17 locations across Karnataka and the NCR region linked to Gameskraft group companies, founders and employees.

ED had registered a PMLA case against Gameskraft Technologies Ltd and other associated entities based on multiple FIRs

The agency said it seized several incriminating documents during the searches. "Based on the material in possession, it was found that the founders of the Gameskraft group were involved in the offence of money laundering, following which three founders were arrested," a senior official said.

In November last year, the ED froze eight escrow bank accounts linked to Gameskraft that allegedly held deposits worth ₹18.57 crore as part of the ongoing probe.

'Developments in Personal AI Devices Incredibly Exciting'

▸▸ From Page 1

"The third thing we are doing is building custom chips for hyperscalers that start shipping by end of this calendar year," said Palkhiwala.

The CFO said the AI accelerator chip market is changing, and rather than having the same solution for varied workloads, one can build solutions for specific types of workloads and optimise, based on the needs. "We are building something that is totally unique and a new architecture versus what the industry has," he said.

Apart from data centres, Qualcomm — best known for smartphone chips — is diversifying into AI-led wearables such as smart glasses, pendants and rings, as well as automotive, telecom infrastructure and laptop computing platforms.

Terming as "incredibly exciting" the developments in the field of personal AI devices, Palkhiwala said companies are trying a variety that has the capability to become an individual's personal agent, and while it's not clear now which device will win, most are using Qualcomm chips. "We have partnerships with Google, Meta and OpenAI, among others," he said.

On the memory chip crisis and its impact on Qualcomm's financials, he said the company expects the June quarter to be the bottom after which revenues are expected to grow. Smartphone prices have been rising due to higher memory chip prices amid severe supply constraints.

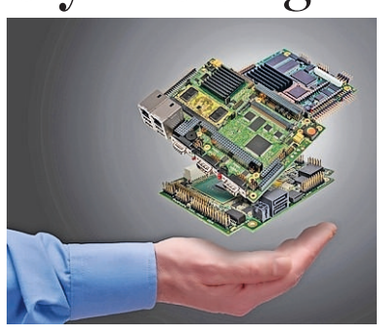

On the semiconductor manufacturing ecosystem in India, Palkhiwala said Qualcomm has a very close relationship with Tata Group, spanning several areas. "They do packaging for us; we are partnering with them for a system-in-package," he said. "We also do certain manufacturing technology for power management chips with them and, eventually, when manufacturing happens here, we will bring our orders to them."

Qualcomm also has partnerships with other Indian firms such as Dixon Technologies for smartphones and wearables. "We recognise India as a major manufacturing hub, and because we use a lot of manufacturing from around the world, we can be one of the key customers for manufacturers in India," he said. "We are very excited with the initiatives that the government has put in place and the way the companies are responding to it."

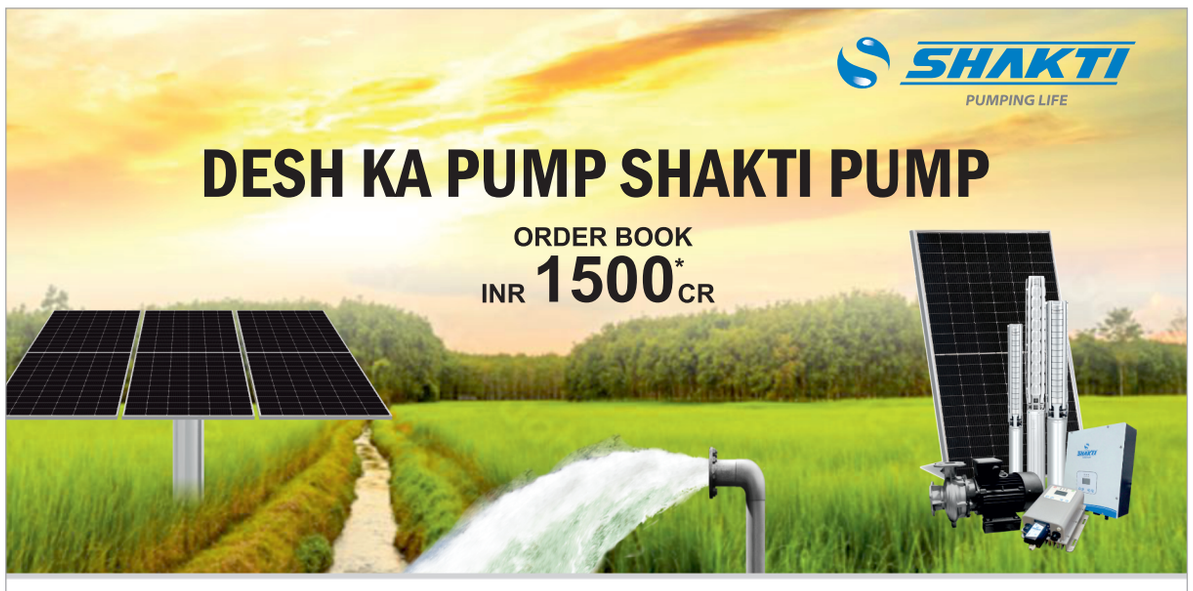

FINANCIAL HIGHLIGHTS FY 2025-26

REVENUE ₹ 2722 CR. | EBITDA ₹ 422 CR. | PBT ₹ 359 CR. | PAT ₹ 258 CR. | EPS ₹ 21.02 INR

Statement of Consolidated and Standalone Financial Results for the Quarter and Year ended on 31st March, 2026

(Rs. In Crores, unless otherwise stated)

Sr. No	Particulars	Consolidated					Standalone				
		Quarter Ended			Year ended		Quarter Ended			Year ended	
		March 31, 2026	December 31, 2025	March 31, 2025	March 31, 2026	March 31, 2025	March 31, 2026	December 31, 2025	March 31, 2025	March 31, 2026	March 31, 2025
		Unaudited	Unaudited	Unaudited	Audited	Audited	Unaudited	Unaudited	Unaudited	Audited	Audited
1	Total Income	867.47	558.69	669.76	2,722.45	2,533.33	852.81	553.25	656.02	2,680.48	2,505.04
2	Profit before tax	66.21	41.76	150.23	359.15	555.80	53.39	39.66	141.69	336.73	529.39
3	Net Profit/(loss) for the period after tax	38.33	31.70	110.23	257.58	408.37	29.13	30.05	104.40	243.79	393.63
4	Total Comprehensive Income for the period	41.02	34.31	111.40	264.14	410.67	29.47	30.91	104.47	245.23	393.43
5	Equity share capital (Face Value: Rs.10/- per share)	123.40	123.40	120.21	123.40	120.21	123.40	123.40	120.21	123.40	120.21
6	Earnings per equity share (EPS) of Rs.10/- each for continued and discontinued operations										
	(1) Basic	3.11	2.57	9.17	21.02	33.97	2.36	2.44	8.69	19.89	32.75
	(2) Diluted	3.10	2.57	9.17	21.00	33.97	2.36	2.43	8.68	19.88	32.74

- The Extract of the detailed format of Quarterly Financial Results Filed with Stock Exchanges under Regulation 33 of SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the Quarterly Financial Results are available on Stock Exchanges website: (BSE: https://www.bseindia.com/ and NSE: https://www.nseindia.com/) and the website of the company https://www.shaktipumps.com/ which can also be access by scanning QR code.
- The Company operates its business through operating segments, representing our business on the basis of geographies which are India & Overseas.
- The above results have been reviewed by the Audit Committee and approved by the Board of Directors at their respective meetings held on May 7, 2026
- Figures for the corresponding previous periods have been regrouped/rearranged, wherever necessary.

*Order Book includes domestic & export executable orders as on 07th May 2026

Place : Indore
Date: 08.05.2026

देश का पम्प शक्ति पम्प
SHAKTI PUMPS (INDIA) LIMITED

For: Shakti Pumps (India) Limited
SD/-
Dinesh Patidar
Chairman & Whole Time Director
(DIN: 00549552)

CIN : L29120MP1995PLC009327 | Web: www.shaktipumps.com | E-mail: info@shaktipumps.com, sales@shaktipumps.com
Corporate Office : Plot No. C-04, Silver Spring, Phase-2, Business Park, By-Pass Road, Opp D Mart, Indore-452020. (M.P.) INDIA. Tel.: +91 731 3635000
Regd. Office / Factory Add. : Plot No. 401, 402 & 413, Industrial Area, Sector - 3, Pithampur-454774, Dist. Dhar (M.P.) INDIA. Tel.: +91 7292 410500